southern Orissa to the State capital Bhubansewar; and

(b) if so, what steps Government have taken to introduce the new train?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

**New rail lines in Orissa**

2432. KUMARI SUSHILA TIRIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have received the request from the State Government of Orissa to undertake survey of two new rail lines (1) Jayepore to-Malkanagiri and (2) Baragarh to Raipur; and

(b) if so, what action is being taken thereon?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) In view of severe constraint of resources for ongoing projects, survey of the suggested new rail lines has not been taken in hand.

**Priority to on-going Rail Projects**

2433. SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Railway Board has accorded any priority to the on-going projects in the country for their early completion in the Seventh Five Year Plan period;

(b) if so, the names of such new rail lines which are under construction, zone-wise, alongwith the estimated cost, length in kilometers and target date for completion; and

(c) if the naswer to part (a) above be in the negative, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) to (c) Details of the cost and length, etc. of the on-going new rail lines are furnished in the Pink Book and Explanatory Memorandum forming part of the Railway Budget Documents. Priority is given to specific projects to serve major Industrial projects, strategic and operational needs. Priority is also given to new lines in North Eastern region. Completion of some New Lines in Seventh Plan will depend on the allocation of funds by the Planning Commission in Annual Plans.

**काशी, काठमांडू तथा रामेश्वरम् आने वाले भक्तों के लिए विमान सेवाएं**

2434. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी, काठमांडू तथा रामेश्वरम् आने वाले भक्तों की हवाई-यात्रा के लिए क्या विशेष प्रबन्ध किए गए थे ;

(ख) पिछले तीन वर्षों की तुलना में, इस वर्ष इस रूट पर कितने अधिक यात्रियों का आवागमन हुआ ; और

(ग) इस रूट पर यात्रियों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, क्या आगामी वर्ष के लिए सेवा में सुधार के लिए कोई योजना सुझाई गई है ?

**नागर विमानन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर)** : (क) इन मार्गों पर यदि आवश्यकता पड़ती अतिरिक्त उड़ानों के परिचालन करने के लिए इंडियन एयरलाइन्स ने पर्याप्त मात्रा में विमान तैयार रखे हुए थे ।

(ख) वर्तमान वर्ष 1986–87 के दौरान लाए-ले जाए गए यात्रियों की संख्या के बारे में आकड़े अभी उपलब्ध नहीं हुए हैं । इसलिए हवाई ट्रैफिक की तुलना करना संभव न हीं है ।

(ग) काठमांडू रामेश्वरम् (रामेश्वरम के निकट का हवाई अड्डा–मदुराई) और वाराणसी के लिए मुहैया की गई विमान क्षमता इंडियन एयरलाइन्स द्वारा पर्याप्त समझी गई है। इस समय इन मार्गों पर अतिरिक्त सेवाएं परिचालन करने के लिए कोई योजनाएं नहीं हैं।

**वायुदूत द्वारा चलाये जा रहे लाभप्रद मार्ग**

2435. डा० रत्नाकर पाण्डेय : क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वायुदूत इस समय किन-किन मार्गों पर लाभ अर्जित कर रहा है ;

(ख) कौन-कौन से मार्ग वायुदूत सेवाओं के विस्तार के लिए उपयुक्त पाए गए हैं ;

(ग) अलाभकारी मार्गों को लाभप्रद बनाने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं ; और

(घ) आगामी वित्तीय वर्ष में उत्तर प्रदेश तथा बिहार के किन-किन स्थानों को वायुदूत सेवाओं से जोड़े जाने का विचार है ?

**नागर विमानन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर)** : (क) जिन मार्गों पर वायुदूत को लाभ हो रहा है, वे इस प्रकार हैं:—

(1) दिल्ली–लुधियाना–दिल्ली

(2) दिल्ली–चंडीगढ़–कुल्लू और वापस

(3) कलकत्ता–जमशेदपुर–कलकत्ता

(4) बम्बई–पोरबन्दर–बम्बई

(5) बम्बई–केशोद–बम्बई

(6) बम्बई–कांडला–बम्बई

(ख) विमान-क्षमता उपलब्ध होने, पर, आधार-भूत सुविधाओं के विकास और प्रचालनों के आर्थिक रूप से सक्षम होने पर, वायुदूत की योजना, चालू योजना की शेष अवधि में 44 नए स्टेशनों को विमान सेवा से जोड़ने की है। इन स्टेशनों को सूची संलग्न विवरण में दी गई है। (नीचे देखिए)

(ग) परिचालनों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए वायुदूत निम्नलिखित उपाय कर रहा है :—

(1) उद्यमशील विपणन;

(2) वायु मार्ग का वैज्ञानिक नियोजन ;

(3) व्यापक प्रचार अभियान के लिए समन्वित और संगठित प्रयत्न; और

(4) ऊपरि खर्च को कम रखना।

(घ) आधार-भूत सुविधाओं का विकास होने, विमान क्षमता उपलब्ध होने और प्रचालनों के आर्थिक रूप से सक्षम होने पर, वायुदूत की वर्ष 1987–88 में उत्तर प्रदेश में फैजाबाद और बिहार में गया और पूर्णिया को विमान सेवा से जोड़ने की योजना है।

**विवरण**

चालू पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान हवाई सेवा से जोड़े जाने वाले स्टेशनों की सूची

चालू पंचवर्षीय योजना अवधि

| | |
|---|---|
| 1. पांडिचेरी | 14. तूतीकोरीन |
| 2. पटियाला | 15. रायचूर |
| 3. जालंधर | 16. गया |
| 4. रूपसी | 17. पूर्णिया |
| 5. रांजोरी | 18. झारसुगुडा |
| 6. सूरंगकोट | 19. कोल्हापुर |
| 7. किस्तवार | 20. जलगांव |
| 8. लक्षद्वीप | 21. अकोला |
| 9. शिमला | 22. चन्दरपुर |
| 10. फैजाबाद | 23. तिरुनेवेली |
| 11. नैवेली | 24. आबू रोड़ |
| 12. जगदलपुर | 25. अजमेर |
| 13. विलासपुर | 26. अलवर |